 ISSN: 2582-6530

कंचनजंघा

वर्ष 02, अंक 03-04, जनवरी- दिसंबर, 2021 (संयुक्त अंक)

इस अंक में...

संपादकीय बाकी सब इत्यादि थे...

लोक कथाएँ

अरुणाचल प्रदेश की गालो लोककथा: आबो तानी और मोपिन तुम्बम रीबा 'लिली'
मिजो लोककथा: माऊरुआङी डॉ. कैथी रौह्लूंपुई (अनुवादक)

लेख

घातक इच्छा की अवधारणा: मिज़ो और अंग्रेजी की साहित्यिक कृतियों का तुलनात्मक विश्लेषण अजेय झा
नेपाली साहित्य में आयामिक आंदोलन बिर्ख खडका डुवर्सेली
हिंदी के अनुष्ठान में अर्घ्य बनी एक पत्रिका : अरुण नागरी देवराज
मणिपुरी लोकगीत : परंपरा एवं प्रयोग डॉ. एस. लनचेनबा मीतै
बांग्ला का बाउल और भाटियाली लोक संगीत जमुना देबनाथ
त्रिपुरा की लोक संस्कृति : चरक पूजा और गाजन नृत्य शुभ्रांशु दाम
लोक-साहित्य के बरास्ते अरुणाचल प्रदेश की अकथ कहानी डॉ. राजीव रंजन प्रसाद
पूर्वोत्तर भारत का हिंदी सिनेमा अतुल वैभव

कविताएं

रवि रोदन की दो कविताएं
कविता कर्मकार की तीन कविताएं
भीम ठटाल की तीन कविताएं
मनीषा झा की चार कविताएं
आईनाम इरिंग की चार कविताएं
धनंजय मल्लिक की तीन कविताएं

अनूदित रचनाएँ

सुधा एम. राई की चार कविताएँ (नेपाली से हिंदी) अनुवादक: सुवास दीपक
ब्रजेन्द्र कुमार ब्रह्मा की तीन कविताएं (बोड़ो से हिंदी) अनुवादक: सूर्जलेखा ब्रह्मा
हरेकृष्ण डेका की तीन कविताएं (असमिया से हिंदी) अनुवादक: विनोद रिंगानिया

पूर्वोत्तर का पौराणिक क्षितिज

भारत-नेपाल की सांस्कृतिक निधि है 'रामकथा' (नेपाली से हिंदी) मूल : डॉ. गोकुल सिन्हा
अनुवाद: डॉ नम्रता चतुर्वेदी

कहानियाँ

अज्ञात यात्रा उषा शर्मा
सुलह रीता सिंह

पुस्तक समीक्षा

अदहन में उबलती स्त्री का सच है 'मिनाम' डॉ. महेश सिंह